भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 4151

गुरुवार, 18 जुलाई, 2019/27 आषाढ़, 1941 (शक)

राष्ट्रीय राजमार्ग के रखरखाव हेतु निजी कंपनियों को शामिल करना

4151. श्री एस.आर. पार्थिबनः

क्या **सड़क परिवहन और राजमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार/एनएचएआई राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) के रखरखाव और मरम्मत कार्य के लिए निजी कंपनियों को शामिल करती है;

(ख) यदि हां, तो इन निजी कंपनियों को शामिल करने के लिए निर्धारित मानदंडों सहित तत्संबंधी ब्यौरा और उद्देश्य क्या हैं;

(ग) क्या सरकार ने इन निजी कंपनियों के कामकाज की समीक्षा की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा और परिणाम क्या हैं; और

(घ) यह सुनिश्चित करने के लिए कि इन कंपनियों को सौंपा गया कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरा हो, क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) और (ख): महोदय, राष्ट्रीय राजमार्गों का रखरखाव और मरम्मत एक सतत प्रक्रिया है। पूर्ण खंडों पर, मरम्मत और रखरखाव ओएंडएम ठेकेदारों/बीओटी रियायतग्राही द्वारा किया जाता है। कार्यान्वयन के अधीन खंडों में, ठेकेदार/रियायतग्राही द्वारा अनुबंध में अपने दायित्वों के हिस्से के रूप में रखरखाव किया जाता है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को सौंपे गए खंडों लेकिन जहां काम शुरू होना बाकी है, का रखरखाव या तो एनएचएआई या राज्य लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के माध्यम से किया जाता है।

खंड जो पहले ही बीओटी आधार पर रियायतकर्ता को सौंप दिया गया है, के लिए खंड को यातायात योग्य स्थिति में बनाए रखना रियायतग्राही के लिए अनिवार्य है। जहां रियायतग्राही रियायत समझौते के अनुसार सड़कों की मरम्मत करने में विफल रहता है, एनएचएआई रियायतकर्ता के जोखिम और लागत पर मरम्मत कार्य करता है। कंपनियां प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के आधार पर लगाई हुई हैं।

(ग) और (घ): एनएचएआई के माध्यम से रारा पर निष्पादित कार्यों पर, लगाए हुए सलाहकारों द्वारा निगरानी की जाती है। इसके अलावा, एनएचएआई की फील्ड यूनिट और मुख्यालय/मंत्रालय के अधिकारी भी निगरानी करते हैं। पर्यवेक्षण सलाहकार/स्वतंत्र अभियंता को रारा के रखरखाव की सही निगरानी के लिए लगाया जाता है।

*****